Leaflet Details

CIR-287920/2023-Pyriproxyfen (EC) (445)-479
Pyriproxyfen 10% EC
(Insecticide)

Pyriproxyfen is a systemic insect growth regulator that suppresses embryogenesis, and inhibits metamorphosis and reproduction in insects. It is used for the control of sucking pest on Cotton crop & Chilli crop; Whiteflies & Jassids on Brinjal and Okra Crop. Warning :- Not to be used on crops and pests other than mentioned on label & leaflets, not to be used for post harvest application, "Dangerous/harmful to fish-Do not contaminate lakes, Rivers, Ponds or streams.

Recommendation

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water (Liter)	Waiting Period between last spray to harvest (Day)	Re-entry after each Application (In Hours)
		AI (gm)	Formulation (ml)			
Brinjal	Whiteflies & Jassids	50	500	300	7	-
Chilli	Whitefly, Aphids	50	500	500	7	
Cotton	Whitefly	50	500	500	50	
Okra	Whiteflies & Jassids	50	500	300	7	-

Direction Of Use

It should be applied as foliar spray. No specific soil conditions are prescribed. Do not apply at flowering and just before harvesting (after observing PHI). Uniform coverage is necessary for effective control of insect pests. A simple knapsack sprayer fitted with hollow cone nozzle type can be used for spraying. Mix the recommended dose ¼ of the recommended quantity of water to the spray tank with agitation. Add remaining quantity of water with continuous agitation. Ensure complete dispersion of the product in mix water before spraying of the spray solution. Maintain agitation while spraying.

Time of Application

Apply as soon as the insect population beings to appear in the field but before it reaches Economic Threshold Level (ETL). Weather should be clear, clam, no rains and no strong winds. NUMBER OF APPLICATION :- 2-3 sprays are required at the interval of 7-14 days, depending upon the pest infestation. No more than three sprays in a season.

Precautions

Protective clothing should be worn while mixing and spraying. Wash contaminated clothes and body part of the body after application avoid inhalation. Do not smoke, drink, eat and chew anything during application.

Symptoms Of Poisoning

Headache, Dizziness, Weakness, Nausea and Irritation or burns of esophagus or gastrointestinal tract.

First Aid

If inhaled remove the patient to fresh air. Call the physician immediately.

In case of contact with eyes immediately flush with plenty of water for at least 15 minutes (remove contact lenses if easily possible) then take to a doctor.

If on skin wash with plenty of soap and water. Wash contaminated clothing before re-use.

If swallowed, rinse mouth with water and give 1-2 glasses of water to drink. Call the physician immediately.

Phytotoxicity

-

Antidote

No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy.

Disposal Of Used Container

1. Packages or surplus material and washing from the machines and containers should be disposed of in a safe manner so as to present environment or water pollution.

2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.

3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Storage Conditions

The packages containing the insecticide shall be stored in separate rooms or premises away from the room or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and keys depending upon the quantity and nature of the insecticide. Keep out of reach of children. The store room should be well built, well lit, ventilated and sufficient dimensions. The conditions of the sore should be dry and cool.

Chemical Composition

S.No	Ingredient	Description	Weight
1	Pyriproxyfen a.i.		10.00 % w/w
2	Emulsifers : Blend of ionic and nonionic ca-salt of alkyl sulfonate and poly oxy ethylene ether		8.00 % w/w
3	Solvent CIX: Solvent Naphtha (Petroleum, light aromatic)		Q.S. %
		Total	100 % w/w

Manufactured By

M/s AQUARIUS AGRO CHEMICALS

Plot No 159, Phase B, Old Survey No. 111/1, New Survey No. 463, Golden Green Industrial Park, Khambha, Rajkot-360311 GUJARAT

Manufacturer Premises Address

PLOT NO 159, PHASE B, OLD SURVEY NO. 111/1, NEW SURVEY NO. 463, GOLDEN GREEN INDUSTRIAL PARK, KHAMBHA, RAJKOT-360311 GUJARA

पत्रक विवरण

CIR-287920/2023-Pyriproxyfen (EC) (445)-479

पायरीप्रोक्सीफेन 10 प्रतिशत ई.सी.

(कीटनाशक)

पायरीप्रोक्सीफेन एक दैहिक कीट वृद्धि नियंत्रक है जो भ्रूण विकास, रूपांतरण और प्रजनन को रोकता है। पायरीप्रोक्सीफेन का इस्तेमाल कपास व मिर्च की खेती में चूसक कीड़े की रोकथाम; बैंगन और भिन्डी की खेती में सफेद मखी और तेला की रोकथाम के लिये किया जाता है। चेतावनी :- पत्रिका व लेबल में दिये हुए फसलों व कीटों के अलावा अन्य के लिए उपयोगित नहीं है, फसल कटाई के बाद इसका उपयोग न करें, मछलियों के लिए खतरनाक/नुकसानदायक। झरनों, तालाब व नहर में न मिलने दें।

उपयोग

फ़सल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (लि.)	अन्तिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)	पुन: प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स. तत्व (ग्राम)	संरचना (मि. लि.)			
बैंगन	सफेद मखी, तेला	50	500	300	7	-
मिर्च	सफ़ेद मक्खी और माहू	50	500	500	7	
कपास	सफ़ेद मक्खी	50	500	500	50	
भिन्डी	सफेद मखी, तेला	50	500	300	7	-

उपयोग के लिए दिशा-निर्देश

इसका उपयोग फोलियर स्प्रे से करना चाहिये। कोई मिटटी की स्थीती निरधरित नहीं है। (पीएचआई के अबलोकन के बाद) फूल और सिर्फ कटाई से पहले लागु न करें। कीटों की अच्छी रोकथाम के लिए समान मात्रा में चरों तरफ छिड़काव होना चाहिये। नेप्सेक स्प्रयेर खोखला कोना नोक प्रकार के साथ का उपयोग किया जा सकता है। सुझाई गई डोज का एक चोथाई भाग बताये गये पानी के साथ हिलाते हुये टैंक में मिलाइए। बची हुई सामग्री को इसी तरह हिलाते हुये टैंक में मिलाएं। सुनिश्चित करे लें की कीटनाशक पानी में पूरी तरह से घुल गया हो। स्प्रे करते समय मिलवाक को समान रखने के लिए स्प्रयेर को हिलाते रहें।

प्रयोग का समय

कीटों का खेतों में दिखायी देने पर कीटनाशक का प्रयोग करें इससे पहले की वे खेती के नुकसान के उच्चतम स्तर तक पहुंचे। मौसम साफ, शांत, कोई बारिश और कोई तेज हवाओं का नहीं होना चाहिये। छिड़काव की संख्या:- 2-3 बार छिड़काव 7 से 14 दिनों के अंदर कीटों की संख्या के आधार पर करें। एक सत्र में 3 कोई से अधिक स्प्रे नहीं।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां

छिड़काव व मिश्रण करते समय व छिड़काव करते समय शरीर पर ढकने वाले वस्त्र पहन लें। छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों व शरीर को अच्छी तरह से धो लें। इस कीटनाशक को छिड़कते व मिलाते समय साँस द्वारा अंदर लेने व त्वचा से लगने से बचें। छिड़काव करते समय खाना, पीना, धुम्रपान करना व तम्बाकू चबाना नहीं करें।

विष के लक्षण

सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मितली होना, श्वसन नली एवम पाचन तंत्र मं जलन व खुजलाहट होना।

प्राथमिक चिकित्सा

सूंघना :- रोगी को तुरंत खुली हवा में ले जायं। तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें।

आंख :- आंख को तुरंत पानी से 15 मिनट तक धो लें (अगर आसानी से काटेक्स लैंसस निकाल सकें तो निकाल लें) व फिर डॉक्टर के पास ले जायं

त्वचा :- त्वचा से सम्पर्क में आने तुरंत पानी व साबुन से धो लें। व कपड़े दोवारा पहनने से पहले धो लें।

निगलना :- पानी से कुल्ला करायें 1 से 2 गिलास पानी पीने को दें। डॉक्टर को तुरंत बुला लें।

पौधविशाक्तता

-

विष नाशक

कोई विशेष विषनाशक नहीं है लक्षणों के अनुसार ईलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा

खाली डिब्बों तथा अवसिषट पदार्थ मशीनों की धोवन का निवारण ऐसे सुरक्षित रीती से होना चाहिये की पानी तथा वातावरण के प्रदूषित होने का खतरा न रहे। प्रयुक्त कीटनाशक के खाली पैकेट को खुले स्थान पर नहीं छोड़ना चाहिये जिससे की उनके दोवारा प्रयोग करने से बचाया जा सके। खाली कंटेनर का दोवारा प्रयोग करना खतरनाक है।

संग्रहण की शर्ते

कीटनाशक से भरे डिब्बों को अलग कमरों य जगहों में रखेंतथा उन कमरों या जगहों से दूर रखें जिनमे अन्य वस्तुए रखी जाती है। या अलग अलमारियों में ताला-चाबी लगाकर कीटनाशक की मात्रा व गुण के हिसाब से रखें। जिस कमरे या अलमारी में कीटनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा प्रकाशमय, हवादार तथा पर्याप्त आकार का होना चाहिये जिससे कीटनाशक के भाप से वातावरण प्रदूषित होने का खतरा न रहे। बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

रासायनिक संरचना

क्रमांक	घटक	विवरण	वज़न
1	पायरीप्रोक्सीफेन स.त.		10.00 % भार/भार
2	ईमल्सरफायर : ब्लैंड ऑफ आयनिक व नानआयनिक		8.00 % भार/भार

	कैल्शियम साल्ट ऑफ अल्कायल अराय्ल सल्फोनेट व पोली ऑक्सी इथलीन इथर		
3	सोलवेंट सी : नाइन नेप्था		पर्याप्त मात्रा %
		कुल	100 % w/w

<u>निर्माता</u>

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

<u>उत्पादन परिसर</u>

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

Digitally signed by SANJAY ARYA
Date: 2023.03.22 15:44:25
Location: CIB&RC,NH4,CGO Complex,Faridabad.
Designation: Secretary (CIB&RC)